T. D. C- I (H)

द्वितिय पत्र

असामान्य मनोविज्ञान

(Abnormal Psychology)

परिचय :— मनोविज्ञान मानव-स्वभाव का अध्ययन है, उसका विषय है मानव जिवन और व्यवहार का समग्र परिचय पाना, समूचे व्यक्तित्व का यथा-संभव चित्रण करना और मानव व्यवहार और आचरण को प्रभावित और नियन्त्रित कर उसके सामने सम्बन्ध मे प्रागुक्ति व भविष्यवाणी करना. कतिपय लोगो का व्यवहार व आचरण कुछ असाधारण, विचित्र एवं विकृत होता है; वह सामान्य लोगो के व्यवहार और आचरण से भिन्न व दूर होता है; विचित्र लोग, विकृत एवं असाधारण लोगो के व्यवहार व क्रियाकलाप का अध्ययन असामान्य मनोविज्ञान करता है।

फिस्कर ने असामान्य मनोविज्ञान को परिभाषित करते हुये कहा है की "असामान्य मनोविज्ञान मनोविज्ञान का वह अंग है, जोकी व्यवहार तथा अनुभवो के विचलनो का अध्ययन करता है तथा इसका क्षेत्र व्यक्तित्व के विकारो तथा प्रोक्षित मनोविकारो की व्याख्या करने हेतु सिद्धांतो का विकास करता है व परिकल्पनाओ तथा सिद्धांतो की वैधता को स्थापित करने के लिए प्रयोगिक प्रविधियो को अनुप्रयुक्त करने का प्रयास करता है।

स्ट्रेन्ज के अनुसार "असामान्य मनोविज्ञान का सम्बंध मुख्य रूप से कुसमायोजन तथा किसी तरह से विघटित या विक्षिप्त व्यवहार वाले व्यक्ति के बारे मे अध्ययन करता है।

CS Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

SRI MAHAVIR
Date
Page No.

असामान्य व्यवहार (Abnormal Behaviour)

शब्दों की उत्पत्ति दो लैटिनभाषी शब्दों Ab और Normal से हुई है. लैटिन में Ab का अर्थ होता है Normal गुनिया यह बढ़ईगीरी के काम में लाया जाने वाला एक ऐसा यन्त्र है जिसके द्वारा लकड़ी की वस्तुओं - मेज, कुर्सी आदि के निर्माण में काटी जाने वाली लकड़ी के विभिन्न कोणों के ठीक - ठाक होने की जाँच की जाती है. इस प्रकार मापन के एक विशेष मानक का प्रतीक है Normal जो यह निर्धारित करता है की किस परिस्थिति में क्या सामान्य मापन होगा, ठीक इसी तर्ज पर अँग्रेजी भाषा में शब्द एक मान्य पैटर्न या मानक को प्रतीक Normal के इंगित करता है. अतः जो मानव व्यवहार किसी मान्य कसौटी मानक या मापदण्ड पर खरा उतरता है उसे सामान्य व्यवहार कहा जाता है. लैटिन शब्द 'Ab' का अर्थ है Away from अर्थात 'आप' 'परे' दूर इस तथ्य के आधार पर Abnormal शब्द शाब्दिक अर्थ है जो सामान्य से परे अथवा भिन्न हो अथवा जो मानव व्यवहार किसी निर्धारित या मान्य कसौटी या मानक से विचलित या हटा हुआ रहता है उसे असामान्य व्यवहार कहते हैं. असामान्य व्यवहार के अर्थ एवं प्रकृति को समझने के क्रम में रीगर द्वारा दी गई परिभाषा का उल्लेख करना वांछित होगा, उनके अनुसार. "असामान्य व्यवहार एक ऐसा व्यवहार

CS Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

होता है जो सामाजिक रूप से असामान्य होता है तथा दुःखदायी एवं विकृति संज्ञान (Distorted Cognition) के परिणामस्वरूप उत्पन्न होता है. चूँकि ऐसे व्यवहार से व्यक्ति को सामान्य समायोजन में कठिनाई होती है, इसलिए इसका स्वरूप कुसमायोजी भी होता है।

असामान्य व्यवहार की विशेषताएं (Characteristics of Abnormal Behaviour)

असामान्य के स्वरूप को समझने के लिए और अधिक स्पष्ट रूप से समझने के लिए यह आवश्यक है कि इसकी कुछ विशेषताओं पर प्रकाश डाला जाए. ऐसी कुछ प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं।

असामान्य व्यवहार समाज विरोधी होता है।

असामान्य व्यवहार का वास्तविकता से कोई सम्बन्ध नहीं होता है. अतएव यह व्यवहार परिस्थिति के प्रतिकूल होता है।

असामान्य व्यवहार प्रदर्शित करने वाला व्यक्ति मानसिक रूप से असन्तुलित होता है

असामान्य व्यक्ति के व्यवहार में सूझ (Insight) की पर्याप्त कमी होती है, उसे कब, क्या और कैसे कोई व्यवहार करना है इनकी समझ

Scanned with CamScanner

अच्छी तरह नहीं रहती है और ना ही उसे सही - गलत या उचित - अनुचित का ज्ञान होता है।

असामान्य व्यवहार 'अनियोजित या कुसमायोजित स्वरूप का होता है

असामान्य व्यवहार नियमित या प्रासंगिक होने के बजाय उटपटांग या बेसिर-पैर का होता है
असामान्य व्यक्तियों का व्यवहार तनावपूर्ण एवं अत्यधिक संवेदनशील होता है।

यह कहना अति आवश्यक है कि उपर्युक्त विशेषताएँ सभी असामान्य व्यक्तियों में समान मात्रा में नहीं पायी जाती है. एक असामान्य व्यक्ति कौनसे असामान्य व्यवहारों का प्रदर्शन करेगा यह इस बात पर निर्भर करता है की व्यक्ति किस प्रकार की मानसिक विकृति से पीड़ित है।

CS Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner